

राष्ट्रीय जल विज्ञान परियोजना के तहत 30-31 मई 2019 के दौरान हैदराबाद में “आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए बाढ़ की पूर्व चेतावनी” पर एनआरएससी एवं सीडब्ल्यूसी द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन

Two Day National Conference on ‘Flood Early Warning for Disaster Risk Reduction’, during 30-31 May 2019, Hyderabad, jointly organised by NRSC and CWC under National Hydrology Project

बाढ़ की पूर्व चेतावनी महत्वपूर्ण विकास के साथ आज के समय में आपदा जोखिम कम करने के लिए एक प्रभावी गैर-संरचनात्मक बाढ़ आपदा क्षति राहत पद्धति है। स्थानिक बाढ़ की पूर्व चेतावनी उनमें से एक है, जो अंतरिक्ष आधारित इनपुटों, उच्च विभेदन डिजिटल भू-भाग मॉडल, उन्नत मॉडलिंग सॉफ्टवेयर एवं उच्च तकनीकी वाले संगणन प्रणालियों की उपलब्धता के कारण गति प्राप्त कर रहा है। बाढ़ की पूर्व चेतावनी प्रणाली के लाभों में समग्र बाढ़ प्रबंधन को मजबूत करना जिसमें तैयारी, प्रतिक्रिया और पुनर्प्राप्ति, मानव मृत्यु, चोट एवं स्वास्थ्य के साथ-साथ बुनियादी ढांचे की क्षति को कम करना तथा राहत के महंगे प्रयासों को कम करना आदि शामिल हैं।

Flood early warning is one of the most effective non-structural flood disaster damage mitigation methods for disaster Risk Reduction with significant developments in recent times. Spatial flood early warning is one among them, which is gaining momentum due to availability of space based inputs, high resolution digital terrain models, advanced modelling software and high end computing systems. The benefits of Early Warning System includes strengthening overall flood management which includes preparedness, response and recovery, minimizing human fatalities, injuries and health risks, as well as infrastructure damage, and reduce expensive relief efforts.



सम्मेलन के लेख संग्रह का विमोचन
Release of conference proceedings

इस दृष्टि से आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए बाढ़ की पूर्व चेतावनी पर राष्ट्रीय सम्मेलन बाढ़ की पूर्व चेतावनी और आपदा जोखिम में न्यूनीकरण पर विचार-विमर्श करने का अवसर है। उद्घाटन सत्र के अध्यक्ष मुख्य अतिथि ले.जन. एन सी मरवाह, सदस्य, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण थे तथा श्री आर के सिन्हा, सदस्य-आरएम, सीडब्ल्यूसी विशिष्ट अतिथि थे। इसमें विभिन्न केन्द्रीय एवं राज्य सरकार के प्रतिष्ठानों, शैक्षणिक संस्थानों, विश्व बैंक एवं उद्यमों, जो बाढ़ की पूर्व चेतावनी में सक्रिय हैं, से लगभग 170 प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस सम्मेलन में कुल छह तकनीकी सत्र हुए थे जिनमें बाढ़ की पूर्व चेतावनी, स्थानिक बाढ़ की पूर्व चेतावनी, जन विज्ञान संबंधी मॉडलिंग में वर्तमान प्रचलित तकनीकों, शहरी बाढ़ मॉडलिंग एवं अचानक आयी बाढ़, बाढ़ों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव और आपातकालीन तैयारी एवं साधनविनियोग नामक विषयों को शामिल किया गया था। कुल 72 संक्षिप्त लेख प्राप्त हुए तथा सम्मेलन में अंतिम प्रस्तुतीकरण के लिए 29 पूर्ण लेखों को स्वीकृति मिली। 29 पूर्ण लेखों के लेख संग्रह को उद्घाटन सत्र के दौरान विमोचन किया गया तथा सॉफ्ट प्रति को व्यापक पहुँच के लिए एनएचपी के वेबसाइट पर डाला गया। प्रत्येक सत्र में प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों/अभियंताओं द्वारा मुख्य अभिभाषण दिया गया था।

In view of this, National Conference on Flood Early Warning for Disaster Risk Reduction was therefore an opportunity to deliberate on flood early warning and disaster risk reduction.

The inaugural session was chaired by the Chief Guest Lt. Gen. N C Marwah, Member, National Disaster Management Authority, and Sri R K Sinha, Member - RM, CWC was the guest of honour. Nearly 170 delegates were participated from Central & State Government establishments, academia, World Bank and industry, who are active in flood early warning. The conference had 6 technical sessions covering flood early warning, spatial flood early warning, recent trends and techniques in hydrological modeling, urban flood modeling & flash floods, climate change impact on floods, and emergency preparedness & instrumentation. In total 72 abstracts were received, and 29 full papers were accepted for final presentations in the conference. The Proceedings comprising of 29 full papers was released during the inaugural session and the soft copy of the same is kept on NHP web site for wider reach. Each session had a key note address by reputed scientists/engineers.

समापन समारोह में पैनल चर्चा सम्मेलन का मूल तत्व था तथा इसकी अध्यक्षता श्री कमल किशोर, सदस्य, एनडीएमए ने की और पैनल सदस्यों में प्रमुख वक्ता शामिल थे। सम्मेलन का मुख्य बिंदुओं के अंतर्गत : 1) एकीकृत एवं अंतःप्रचालनीय एवं साझा करने योग्य आंकड़ाओं का सृजन 2) विभिन्न प्रयोक्ता स्तर पर क्षमता विकास 3) पूर्वानुमान को समझना एवं अनिश्चितताओं कम करना तथा 4) आभासी वास्तविकता, यूएवी, ड्रोन, स्थानिक आंकड़ा संग्रह आदि जैसे भावी क्षमताओं का समावेश।

The Panel discussion on the concluding day was the keystone of the Conference and it was chaired by Sri Kamal Kishore, Member, NDMA with keynote speakers as panellists. Important takeaways from the conference were fulfilment of gap areas and way forward which projected towards - 1) creation of integrated and Interoperable and shareable databases 2) Capacity development at various user level 3) understanding and minimising of forecast uncertainties and 4) incorporation of futuristic capabilities such as virtual reality, UAV, drones, spatial data collection, etc.



“आपदा जोखिम न्यूनीकरण के लिए बाढ़ की पूर्व चेतावनी” पर 2 दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के प्रतिनिधि, 30-31 मई 2019, हैदराबाद ।

Delegates at the 2-day national conference on ‘Flood early warning for disaster risk reduction’, 30-31 May 2019, Hyderabad